

Registration Certificate



नोंदणीचे प्रमाणपत्र

माझी प्रमाणपत्र देण्यात येत आहे, त्याची प्रत कोणी सार्वजनिक विस्तारधरण्या ही आज, पुणे
सार्वजनिक विस्तारधरण्या अधिनियम, १९५० (सन १९५० चा पुणे अधिनियम क्रमांक २९) या अन्वये **वृहत् सुर्वे**
विश्वा सुर्वे वेचाल सार्वजनिक विस्तारधरण्या नोंदणी कार्यालय सोप टीटीए
दिवसाल जाहीर आहे.

सार्वजनिक विस्तारधरण्याचे नाव **आर. टी. आर. जावली सुर्वे विश्वे**
सुर्वे
सार्वजनिक विस्तारधरण्याच्या नोंदणी पुस्तकातील क्रमांक: **३-१९२०६ (सुर्वे)**
विश्वा सुर्वे विश्वे यास प्रमाणपत्र दिले.

आज दिनांक **२०/२/२०१९** रोजी याच्या सहीसिनी दिले.

दिनांक



परी **विश्वा सुर्वे**
सहायक प्रशासक आयुक्त
पुणे **वृहत्सुर्वे विभाग, पुणे**

Certified & Checked
True Copy R.T.I.



For R. T. I. Public Charitable Trust

[Signature]
१९१९९९



Document checked
into copy of it.

For R. T. I. Public Charitable Trust

[Handwritten Signature]
Trustee



PERMANENT ACCOUNT NUMBER

ABYPT0624N



NAME

SUJATA DEV TIWARI

FATHER'S NAME

RAMANUJ BHAGWANDEV TIWARI

DATE OF BIRTH

22-06-1963

SIGNATURE



[Handwritten Signature]

TRUSTEES

Certified & Checked *[Handwritten]* For R. Y. I. Public Charitable Trust
True Copy R.T.I.

[Handwritten Signature]
Trustees

इस कार्ड के लॉ / मिल जाने पर कृपया जारी करने वाले
प्रतिबन्धी को सूचित / बताना कर दें
आसपास आयुक्त (महानगर कोटा),
सी-13, प्रत्याक्षकार भवन,
मंडरा-कुर्ला महानगर,
मुंबई - 400 051.

In case this card is lost/ found, contact
the issuing authority
Commissioner of Income Tax (R.T.I.)
C-13, Pratyakshakar Bhavan,
Mandira-Kurla Complex,
Mumbai - 400 051.

कार्यालय, आयकर निदेशक (सूट)
छठी मंजिल, पीरामल चैम्बर्स, लालबाग मुंबई ४०००१२

आदेश संख्या आ.नि.ए/मु.न./८०-८/२७७९/२००७/२००८-०९

| | |
|-------------------------|---|
| विधिविहीन का नाम और पता | RIGHT TO INFORMATION PUBLIC CHARITABLE TRUST A/20, SHRI KRISHNA SOCIETY SURERDAR BAUG LANE, KAMANI, KURLA, MUMBAI 400 070. |
| 12A रजिस्ट्रेशन सं. | INS/41478 dated 19/03/2008 |
| आवेदन की तारीख | 25/03/2008 |
| स्था.ले.सं. | AAB TR 0184 R |
| आदेश की तारीख | 19/09/2008 |

आयकर अधिनियम की धारा ८०-जी के अन्तर्गत प्रमाणपत्र (25/03/2008 से 31/03/2009 तक वैध)
(अर्थिक / गैरिक्तिक)

मेरे सम्मुख प्रस्तुत किए गए तथ्यों के अवलोकन /अभेदक के मामले की सुनवाई के परभाव में इस निर्णय पर पहुँचा है कि उक्त संस्था ने आयकर अधिनियम की धारा ८०-जी के अन्तर्गत उपधारा (अ)के की शर्तों को पूरा किया है. निम्नलिखित कियी शर्तों की अवधि में सुव्यवस्था कर्मी या उपलब्ध की स्थिति में धानून के अनुसार ये सुविधाएँ प्राप्त संस्थान द्वारा जबरन कर ली जायेगी. संस्था को ८०-जी की यह छूट निम्न शर्तों पर दी जाती है

- ii) संस्था अपनी लेखा पुस्तकें विधिवित रूप से बनाए रखेगी और उनका परीक्षण आयकर अधिनियम की धारा ८०-जी (5) (iv) के अधिन - धारा १२ए (बी) - के अनुपालन के साथ करवायेगी.
- iii) सन-बतावतों की वी जाने काली रसीद पर इस आदेश की संख्या एवं दिनांक अंकित की जायेगी और उस पर यह रूप से धारावा जायेगा कि यह प्रमाणपत्र कम तक वैध है.
- iiii) न्यास /संस्था के डिरेक्टर (deed)में परिवर्तन कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही किया जायेगा और इसकी सूचना इस कार्यालय को उपलब्ध की जायेगी.
- v) यदि संस्था धारा ८०-जी के प्राधानों के अन्तर्गत धारा १२(ए), धारा १२ए(१)(बी)के अन्तर्गत वर्गीकृत है अथवा किसी स्वव्यक्तिगत गतिविधि चलाने के लिए संस्था को अलग से लेखा पुस्तकें रखनी होंगी.साथ ही ऐसी गतिविधि शुरू होने की तारीख के एक माह के भीतर उसकी सूचना इस कार्यालय को देनी होगी.
- vi) धारा ८०-जी के प्राधानों के अन्तर्गत प्राप्त सार्वजनिक धन किसी व्यवसाय हेतु प्रयुक्त या अत्यन्त रूप में उपयोग नहीं किया जायेगा.
- vii) संस्था सन-बतावत को प्रमाणपत्र जारी करते समय ऊपर वर्णित प्रतिक्रिया का उत्तर देनेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि प्रमाणपत्र का सुव्यवस्था का अन्य किसी प्रयोग के लिए उपयोग न हो.
- viii) संस्था यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी न्यासी प्रयोग के लिए न्यास या सोसायटी या गैर-लाभ-कंपनी द्वारा इसका उपयोग नहीं किया जायेगा और न ही इसके उपयोग को अतिरिक्त को जायेगी.
- ix) संस्था यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी सूरत में संस्था या उसकी विधि का उपयोग धारा ८०-जी (अ)(iii) के अन्तर्गत विधिगत किसी विशेष धर्म या जाति या समुदाय के लाभ के लिए नहीं किया जायेगा.
- x) संस्था को न्यास या सोसायटी या गैर-लाभ-कंपनी के प्रबंधक न्यासी या प्रबंधक के बारे में बरत और-बतावत माह देरवों को पूरा करने के लिए न्यास या संस्था के द्वारा कलाप नहीं किए जा रहे हैं या किए जाने की संभावना है इसकी सूचना इस कार्यालय एवं निर्धारण अधिकारी को देनी होगी.
- xi) यदि नवीकरण के लिए कार्यालय से संपर्क नहीं किया गया हो तो अधिनियम का प्रयोग किस प्रकार किया जायेगा या किन उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जायेगा इस संबंध में इस कार्यालय को सूचित किया जायेगा.
- xii) वार्षिक लाभ कुल आय के ३% से अधिक नहीं होगा.

आयकर अधिनियम १९६१,की धारा ८०-जी के अन्तर्गत प्रमाणपत्र न्यास या संस्था को आय को अपने आय छूट नहीं देता

Certified & Checked
True Copy R.T.I.



Public Charitable Trust
(अर्थिक / गैरिक्तिक)
आयकर निदेशक (सूट) मु.न.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF INCOME TAX (EXEMPTIONS)
6TH FLOOR, PIRAKAL CHAMBERS, LALBAAG, MUMBAI - 400 012.

Name of the Trust : RIGHT TO INFORMATION PUBLIC CHARITABLE TRUST
Address : A/20, Shri Krishna Society, Sureshwar Baug Lane,
Kamani, Kurla, Mumbai-400 070.
P.A. No. : AAB TR 0184 R

CERTIFICATE UNDER SECTION 12AA(1)(b)(i) OF THE INCOME TAX ACT, 1961

The above institution is constituted by a Trust Deed / Memorandum of Association dated 31-12-2000. The application in Form No 10A was filed for registration u/s. 12A(a) of Income Tax Act, 1961 on 05-08-2007 i.e. beyond stipulated period.

- Registration u/s 12AA(1)(b)(i) is granted w.e.f. 01-04-2007.
- No change in the Deed of the Trust/ Association shall be effected without due procedure of law i.e. By the order of the jurisdictional High Court and its intimation shall be given immediately to this office.
- The name of the Trust/Institution has been entered at No. 41478 in the Register of Institutions u/s. 12A(a) of the Income Tax Act, 1961 maintained in this office.
- The registration u/s 12AA of the I.T. Act, 1961 does not automatically exempt the income of the Trust/Institution. The question of taxability of the income of the Trust/Institution shall be examined and decided upon by the Assessing Officer(A.O.) based on the activities, compliance with various statutory and other requirements, etc. without prejudice to the fact of granting mere in principle Registration by this Order.
- The registration u/s 12AA of the I.T. Act, 1961 does not automatically confer any right of deduction u/s. 80G to the donors.

This certificate cannot be used as a basis for claiming non deduction of tax at source in respect of investments etc., relating to the Trust/Institution.

The Trust/Institution should quote the PAN in all its communication.

The Trust/Institution shall furnish a return of income every year within the time limit prescribed under the Act.



(Signature)
(R.K. SINHA)
Director of Income Tax (Exemptions),
Mumbai.

Date: 19-03-2008

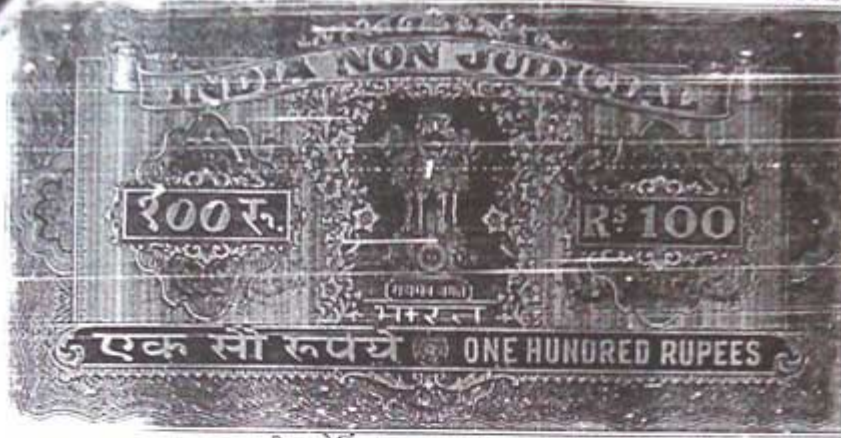
- To: 1. The Applicant,
2. Guard File, ITO(HQ), Mumbai.

(Signature)
Certified & Checked
True Copy R.T.I.

For R. T. I. Public Charitable Trust

(Signature)
Trustees ITO (HQ), For BIT (H), Mumbai

100Rs



डॉ. गोविंद रामाराव

22 DEC 2000

पञ्जाब पोस्टल न्युट्रल डिपॉजिट, १४३, डॉ. विजय एडि.
ब्रांच/बंदी नुमा: इपेक २२६
ब्रांच/बंदी/बंदी: Dev R. Tiwari
पेट नं: १२०

पञ्जाब पोस्टल न्युट्रल डिपॉजिट

225 / 201
Original document sent and returned
In No. 8
Type of Ex. No. 2

TRUST DEED

Notary Public
General Public Notary, Mumbai

This Deed of Public Charitable Trust executed on this day of Between SHRI DEV. R. TIWARI son of R TIWARI Resident of A-20 SHREE KRISHNA SOCIETY, KAMANI KURLA, KURLA MUMBAI 400. 070. hereinafter called the "Settlor" (which expression shall, unless excluded by or repugnant to the context, be deemed to include his executors, administrators and representatives) of the one part, and

- (1) MRS. SUJATA DEV TIWARI
- (2) SHYAMSHANKAR AMBIKA PRASAD TIWARI PANDEY For R. T. I. Public Charitable Trust
- (3) AVINASH SOLANKI
- (4) SWAMI ANAND ASHRAM KARPATRI
- (5) DR. VIJAYKUMAR TRIPATHY
- (6) RAMA SHANKAR TIWARI
- (7) DEV R. TIWARI

Certified & Checked True Copy R.T.I.

Trustees

Handwritten signatures and stamps of the trustees and notary.

hereinafter jointly referred to as "trustees" (which expression shall, unless excluded by or repugnant to the context, be deemed to include the trustee or trustees for the time being of these presents and their successors in office) of the other part.

Whereas the Settlor is desirous of establishing a trust for public charitable objects.

And whereas the trustees have, at the request of the settlor, agreed to act as the first trustees of these presents as testified by their being parties to and executing these presents.

And whereas it is necessary to declare the objects and terms of the public charitable trust, being constituted under these presents.

Now this indenture witnesseth as follows :

That, in order to effectuate his aforesaid desire, the settlor has set apart and handed over to the trustees, a sum of Rs. 5,000 (hereinafter called the "Trust Fund" which expression shall include cash and any other property or investments of any kind whatsoever into which the same or any part thereof might be converted, invested or varied from time to time or which may be acquired by the trustees or may come to their hands by virtue of these presents or by operation of law or otherwise howsoever in relation to these presents), and the trustees shall hold and stand possessed of the same upon the trust subject to the powers, provisions, agreements and declarations hereinafter contained.

That the name of the trust shall be R.T.I. PUBLIC CHARITABLE TRUST and its office shall, for the present, be situate at 12/34, CHAMBER BHAVAN, IIND FLOOR, KALBADEVI ROAD, MUMBAI 400 12 and/or at such other place or places as the trustees may decide from time to time.

That the objects for which this trust is established are:

To establish, develop, maintain and grant aid in cash or in kind to hospitals, Medical schools, medical colleges, nursing institutions, dispensaries, maternity homes, child welfare centres and/or such other similar charitable institutions in India for the benefit and use of the general public.

To establish, run, support and grant aid or other financial assistance to schools, colleges, libraries, reading rooms, universities, laboratories, research and other institutions

Certified & Checked
True Copy R.T.I.

For R.T.I. Public Charitable Trust

of the like nature in India, for use of the students and the staff and also for the development and advancement of education and diffusion of knowledge amongst the public in general.

- c) To establish, maintain and run studentships, scholarships and render other kind of aid to students including supply of books, stipends, medals and other incentives to study, without any distinction as to caste, colour, race, creed to sex.
- d) To promote, establish, support, maintain or grant aid to institutions for the promotion of science, literature, music, drama and fine arts, for the preservation of historical monuments and for the research and other institutions, in India, having similar objects for the benefit of the public in general.
- e) To establish, maintain or grant in aid for the establishment and/or maintenance of parks, gardens, gymnasiums, sports clubs, dharmshalas and rest houses, for use by public in general.
- f) To establish, maintain or grant aid to homes for the aged, orphanages or other establishments for the relief and help to the poor, needy and destitute people, orphans, widows and aged persons.
- g) To establish and develop institutions for the physically handicapped and disabled or mentally retarded persons and to provide them education, food, clothing or other help.
- h) To grant relief and assistance to the needy victims during natural calamities such as famine, earth quake, flood, fire, pestilence etc and to give donations and other assistance to institutions, establishments or persons engaged in such relief work.
- i) To construct, repair and manage the Marghats, cemeteries and burial grounds.
- j) To grant aid or render assistance to other public charitable trusts or institutions.
- k) To undertake other activities for the purpose of removal of illiteracy, promote justice, removal of corruption and such other related charitable activities to strengthen the Indian society and promote national upgradation.
4. That the Trust Fund may be augmented by the income from the initial fund and also by donations and other contributions from time to time.

Handwritten signatures and initials at the bottom of the page.

5. That the Trust Fund shall not be applied for any purpose other than those specified in Para-3 hereinafter.
6. That the trustees shall always maintain proper accounts of the Trust which shall be kept at the office of the Trust.
7. That for the furtherance of the objects of the trust, the trustees shall have the following powers:
- a) To accept any donation, contribution, grant or subscription in cash or in kind from any person(s), body of persons or trust, with or without conditions in India or outside India.
 - b) To apply the whole or any part of the income of the trust, or the trust fund or accumulations thereon, to any one or more of the objects of the trust, as the trustees may, in their discretion, deem fit from time to time.
 - c) To convert and deal with the trust property and/or any investments for the time being.
 - d) To invest the Trust Fund either in the purchase of mortgage of immovable property or in shares, stock or debentures or other securities and investments or in deposits with or loans to any company, bank, firm or any other person, and to alter, vary or transpose such investments, from time to time at the discretion of the trustees.
 - e) To borrow or raise or secure payments of moneys and to lend money either with or without security.
 - f) To sell, dispose of, alienate or otherwise deal with any property comprising the Trust Fund.
 - g) To let out, demise any immovable property comprised in the Trust Fund for such period and at such rent on such terms and conditions as the Trustees in their discretion may think fit.
- To open account in the name of the Trust, Trustees and/or Institutions run/conducted by the Trust with a Bank or Banks, to operate such account and to give instructions to the Bank and to provide for opening and operation of such account by one or more of the trustees or by an agent appointed by the Trustees.
- To adjust, settle, compromise, compound, refer to arbitration, all actions, suits, claims, demands and proceedings regarding the Trust Fund.

Certified & Checked
True Copy R.T.

Trustees

[Handwritten signatures and initials]

- 3) To appoint constituted attorneys or agents and to delegate to such attorneys or agents all or any of the powers vested on them under these presents and from time to time remove such attorneys or agents and to appoint other or others in his or their place.
- 4) To appoint or make provision for the appointment of any person (including all or any of the Trustees and committees or administrator or Managing Trustees or otherwise) for the purpose of the administration of the Trust in such manner and subject to such rules and regulations as the Trustees may prescribe, and also to appoint and provide for the appointment of separate Trustees to hold any fund or investment subject.
- 5) To make, vary, alter or modify, schemes, rules and regulations for carrying out the objects of the Trust and for the management of the affairs thereof and/or running any institution in furtherance of the objects of the Trust and otherwise for giving effect to the objects of the Trust.
- 6) To start, abolish, discontinue and restart any charity or charitable institutions for the benefit of general public and to impose any conditions to any subscription or donation made by them.
- 7) To set apart and/or allocate the whole or a part of the income, or the corpus of the Trust fund or part thereof for any of the objects of the Trust.
- 8) To join, co-operate or amalgamate this trust with other or others having kindred or allied objects, upon such terms and conditions as the trustees may in their discretion think fit, particularly having regard to and in conformity with the objects and nature of this Trust.
- 9) To give aid by way of donations out of the income or the corpus of the Trust fund or otherwise, to different charitable institutions, societies, organisations or trusts in India which may have been established or which may hereafter be established for the like charitable purposes mentioned in these presents or any of them, to enable such institution, societies, organisations or Trustees to start, maintain, or carry out such charitable objects.
- 10) To settle all accounts and to compromise, compound, forbear, or refer to arbitration any action or proceedings or disputes, claims, demand or things as deemed proper for such purpose without being responsible for any loss occasioned thereby.

Handwritten signatures and initials

2) To borrow moneys either on the security of any property comprised in the Trust Fund or otherwise for all or any of the purposes of these presents, and it shall be lawful for the trustees to make such borrowings on payment of such interest and otherwise on such terms and conditions as they may in their absolute discretion think fit.

3) To apply to the Government, public bodies, urban, local, Municipal, district and other bodies, corporation, companies, or persons for and to accept grant or money and of aid, donations, gifts, subscriptions, and other assistance with a view to promoting the objects of the Trust and to discuss and negotiate with the Government Departments, public and other bodies corporations, companies or persons, scheme and other work and matters within the objects of the Trust and to conform to any proper condition upon which such grants and other payments may be made.

4) To take over or amalgamate with any other charitable trust, society, association or institution with similar objects.

5) To establish, promote, manage, organise or maintain or to assist in establishing, promoting, managing, organising, or maintaining any branch of the Trust or any other Trust or its branch with objects similar to those of this Trust, and to promote or carry on the affiliation or amalgamation of such other Trust with this Trust.

6) To take over, acquire, manage, control or aid any existing institution or institutions having objects, either wholly or in part similar to the objects of this Trust and on such terms and conditions as may be thought expedient.

7) To purchase or otherwise acquire and undertake all or any part of the property, assets, liabilities and engagements of any or more of the trusts, societies, institutions or associations with which this Trust is authorised to amalgamate.

8) To transfer all or any part of the property, assets, liabilities and engagements of this trust to any one or more of the trust, societies, institutions or associations with which this Trust is authorised to amalgamate.

To transfer and hand over the Trust to any other Society, Corporation, Institution, Trust or Organisation on such terms and conditions as the Trustees shall in their absolute discretion think fit and proper to be held by the Society, Corporation, Institution, Trust or Organisation with the powers, provisions, agreements and declarations, appearing and contained in these presents subject to such

Certified True Copy

Handy

K. S. S.

2018.11.11 PUBLIC CONTROL

7
modifications as may be necessary and consequent to such transfer of the Trust fund. The Trustees for the time being of these presents shall become discharged from the Trust hereof relating to Trust Funds so transferred.

21. To organize meetings, debates, training camps etc,
8. The Trustees shall be accountable only for such moneys, stocks, shares and funds as shall actually come into their hands and a Trustee shall not be answerable or accountable for neglect, default, acts or omission or commission of the other Trustees, nor of any banker or other person with whom the trust properties or any securities may have been deposited or kept.
9. The Trustees will not be entitled to receive any remuneration, but the Trustees may reimburse themselves all expenses actually incurred by them in connection with the Trust or their duties relating thereto.
10. The number of the Trustees shall not be less than two. If the number of the Trustees shall fall below two, the Trustees shall not, except for the purposes of filling any vacancy, act so long as the number is below the said minimum.
11. The Managing Trustees for the time being will be at liberty to appoint additional Trustees for such period or on such terms as to retirement and re-appointment as the trustees for the time being consider proper. A person shall cease to be a Trustee either (i) if he without leave of absence does not attend three consecutive meetings of the Trustees or for one calendar year, whichever is longer, or (ii) if he is requested to resign by 3/4 th or as near thereto as possible of the remaining Trustees.
12. Every Trustee will be at liberty to resign on giving one month's notice of his intention to do so.
13. The Trustees may from time to time frame rules for the conduct and regulations of the meeting of trustees. In the absence of such regulations:
 - (a) Two Trustees shall form a quorum for a meeting of the Trustees.
 - (b) All matters will be decided mutually by the Trustees.
 - (c) Resolution passed without any meeting of the Trustees but by circulation thereof and evidenced in writing under the hands of two thirds of the Trustees shall

Handley

Handley

Handley

be as valid and effectual as a Resolution duly passed at a meeting of Trustees.


14. The Trustees shall have the power to determine in case of doubt whether any moneys or property shall for the purpose of the charity be considered as capital or income and whether out of income or capital any expenses or outgoings ought to be paid or borne and every such determination shall be binding and conclusive provided that nothing contained shall be deemed to authorise the Trustees to spend the income or corpus of the Trust for any purpose not authorised by these presents.
15. The accounting year of the Trust shall be financial year ending on 31st March every year.
16. The Trust and the Trust funds shall be and irrevocable for all times.
17. The office of the Trust shall be situated at MUMBAI unless changed by the Trustees by two thirds majority.
18. It is expressly declared that no part of the Trust property or its income or any accretion thereto shall be applied for any purpose outside India or for any purpose which is not a charitable purpose in law, and all provisions hereof shall be

In witness whereof the parties hereto have hereunto seen and subscribed their respective hands, on the day, month and year first mentioned hereinabove.

Witness :

1. *Rajdasankar N. Jambekar*
2. *M. A. Jambekar*

SETTLOR'S SIGNATURE



TRUSTEES'S SIGNATURE

1. Dev. R. Tiwari

2. Sujata D. Tiwari

3. Shyam Shankar Ambika Prasad Pandey

4. Avinash Solanki

5. Swami Anand Ashram Karpatri

6. Dr. Vijaykumar Tripathi

7. Rama Shankar Tiwari

सुजाता डी तिवारी

Shandy

Avinash

Swami

Vijaykumar

Rama Shankar

Certified & Ch
True Copy R.T

Per R. T. I. Public Charitable